नवयुग की आध्यात्मिक द्वैमासिक पत्रिका

ध्यान भारत

अंक 3

मई–जून 2008
वर्ष 1

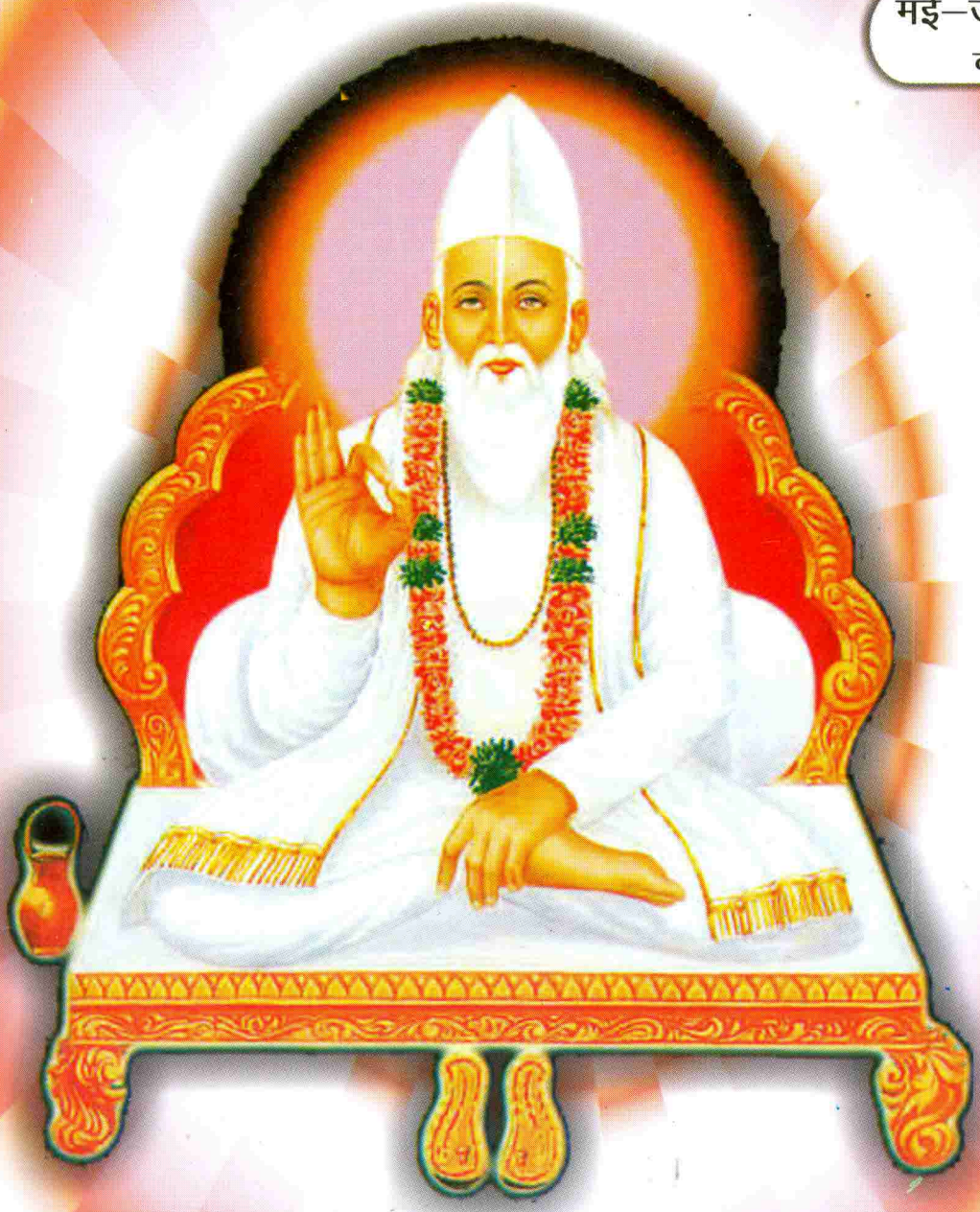

केहै कबीर मैं पूरा पाया

ध्यान जगत का निर्माण . . . 2012 तक